



Ratna Jyoti

An ISO Certified Company
GSTIN:-19ADBPN6598G1Z1

OUR
EXPERIENCE
YOU CAN TRUST



Sample

30 Aug 1988

10:00 AM

Delhi

Model: Lal-Kitab-Report

SrNo: 101-111-105-1030 / 274

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

SrNo: 101-111-105-1030 / 274

Date: 19/03/2019

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 30/08/1988
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 10:00:00 घंटे
इष्ट _____: 10:04:32 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

चैत्रादि संवत / शक _____: 2045 / 1910
मास _____: भाद्रपद
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 4
तिथि समाप्ति काल _____: 26:42:00
जन्म तिथि _____: 4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: रेवती
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 23:24:11 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: रेवती
सूर्योदय कालीन योग _____: गण्ड
योग समाप्ति काल _____: 22:35:17 घंटे
जन्म योग _____: गण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____: बव
करण समाप्ति काल _____: 16:06:28 घंटे
जन्म करण _____: बव
भयात _____: 20:55:51
भभोग _____: 54:26:16
भोग्य दशा काल _____: बुध 10 वर्ष 5 मा 1 दि

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:38:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:36 घंटे
साम्पातिक काल _____: 08:13:13 घंटे
सूर्योदय _____: 05:58:11 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:44:43 घंटे
दिनमान _____: 12:46:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 13:19:12 सिंह
लग्न के अंश _____: 05:27:33 तुला



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	तुला	05:27:33	---	--	--	--	नेक
सूर्य	सिंह	13:19:12	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	मीन	21:49:38	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	व मीन	17:40:25	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	कन्या	05:20:07	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	वृष	11:22:54	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मिथुन	27:43:05	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	व धनु	02:13:44	सम राशि	--	--	--	नेक
राहु	कुम्भ	20:23:00	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	सिंह	20:23:00	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

गु ₁₁		मं ^व ₁₈ चं ₂₂
शु ₂₈		रा ₂₀
सू ₁₃ के ₂₀	ल ₀₅	श ^व ₀₂
बु ₀₅		

लालकिताब कुंडली

	ल	बु
श		के सू
रा	चं मं	शु
		गु



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपकी इच्छाएं बहुत ऊंची होंगी और पूर्ण भी होंगी। आप पूर्ण धार्मिक विचारों वाली होंगी। सत्तापक्ष से लाभ होगा। आपको ऐशो-आराम मिलेगा और जीवन उत्तम रहेगा। आपको तीन पुत्रों का सुख मिलेगा। आप बाहर से सुंदर दिखने वाला मकान बनाएंगी। आप अमीरी जीवन व्यतीत करेंगी। सुस्ती और लापरवाही से जीवन में आए शुभ अवसरों को खो सकती हैं। आपके जीवन की आखिरी अवस्था अच्छी बीतेगी। आपके परिवार की उन्नति होती रहेगी। आप आस्तिक होंगी। आपके अपने सर्किल में अच्छे ताल्लुकात बनेंगे। बुराई के कामों से आप हमेशा दूर रहेंगी। आप शाकाहारी होंगी और आज्ञाकारी पति तथा संतान का सुख मिलेगा। जीवन में सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। आपके पूरे परिवार का धार्मिक होना शुभ होगा।

यदि आप पब्लिक को लाभ देने की बजाय उल्टे उनका काम बिगाड़ा, भेड़-बकरी को मारा या भेड़-बकरी का मांस खाया, पिता/ससुर के बहन-भाई से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पिता के बहन भाई अशुभ फल देंगे। शराब पीने, मांस खाने और झूठ बोलने से चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आएगा। आपको सपने में सांप दिखें तो, इसका अशुभ फल होगा। दूसरे को गाली देना, लड़ाई-झगड़ा करना, झूठी गवाही देने पर किसी की अमानत में खयानत करने से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। पुत्र जन्म में बाधा या पुत्र सुख नहीं मिलेगा। झूठ बोलने से आपकी शक्ति कम होगी। यात्रा में चोट-हानि का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ-झूठ से परहेज रखें।
2. शराब-मांस-मछली का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मूली का दान करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल दें।

संतान सुख और संतान की लंबी आयु के लिए -

1. 45 वर्ष की आयु में कसाई से बकरा छुड़ा कर जंगल में खुला छोड़ दें।
2. 43 दिन तक रेत पर बिस्तर लगा कर सोयें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से कन्या संतान



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अधिक होंगी। आप योजना बनाने में कुशल और बुद्धिमान होंगी। मुकद्दमे में आपको सफलता मिलेगी। मामा पक्ष के लोगों से सहयोग और लाभ की संभावना है। जैसी करनी वैसी भरनी की नसीहत को हर दम याद रखेंगी। आपकी बुआ-बहन-लड़की सुखी रहेगी। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है, आप तड़पते हुए व्यक्ति के मुंह में पानी डालने वाली सबकी हमदर्द होंगी। आपको गरीबी का मुंह नहीं देखना पड़ेगा। आप किसी गंभीर रोग की रोगी नहीं होंगी।

यदि आपने बहन-बेटी का धन प्रयोग किया, अपना भेद किसी को बताया, सूर्यास्त के बाद दूध पिया, छबील या प्याऊ लगाया या आम लोगों के लिए धर्मार्थ कुआं, हैंड पंप लगाया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी माता/सास के सुख में कमी आ सकती है या सौतेली मां के साथ जीवन बिताना पड़ सकता है। 24 वर्ष की आयु में यदि आम जनता के लिए कुआं या पानी का साधन लगवायेंगी तो उसका बुरा असर माता/सास और संतान पर पड़ेगा। आपके पति की आंख में कुछ खराबी होने की संभावना है। आपके ससुराल पक्ष के लोगों का नुकसान होने की उम्मीद है। शत्रु आप से भय खाएंगे। कोर्ट-कचहरी का झमेला आपको झेलना पड़ सकता है। आपको कभी-कभी गंभीर चिंता करनी पड़ सकती है। आप जब कभी बिना सोचे-समझे काम करेंगी तो सामने परेशानी आ सकती है। माता/सास को कष्ट रहेगा, मौत तक भारी समय आयेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 24 वर्ष आयु में मुफ्त पानी दान का साधन कायम न करें।
2. किसी को अपना भेद न बताएं।
3. सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

उपाय :

1. शमशान-अस्पताल में पानी का साधन कायम करना शुभ है।
2. माता/सास को कष्ट के समय खरगोश पालें।
3. चन्द्र ग्रहण में 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल छठे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आपका जन्म बड़ी मिन्नतें मांग-मांग कर हुई होगी या आपके संतान देरी से पैदा होगी या बुढ़ापे में औलाद का सुख मिलेगा। आप मान-सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकारी विभाग में अच्छी उच्चाधिकारी होंगी। आपके भाग्य की रक्षा होगी। आप साधू-सन्यासी के विचारों की महिला हैं। आप धर्मवीर और ईश्वर पर विश्वास रखने वाली महिला होंगी। आपको दूसरों से दोस्ती करना, पढ़ाई-लिखाई का काम करना, राग विद्या या अपने भाषण, प्रवचन से धन कमाना शुभ रहेगा। आपकी लेखन



कला जानदार होगी। आपकी भाग्योन्नति होगी। आपकी औलाद पर किसी प्रकार का बुरा असर नहीं पड़ेगा। आप कुछ धन छोटे भाइयों को दें तो अच्छा रहेगा। आपके दुश्मन कम होंगे या दुश्मन आप से दबे रहेंगे, ऐसी उम्मीद है। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगी। विवाह के बाद तरक्की होगी। साहूकारी भी लाभ देगा।

यदि आपने भाई से शत्रुता रखी, मंदे राग गाने को शौक रखा, पशुओं से संबंधित काम किया, परिवार में बहनों में दूसरा नंबर हुआ तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके भाई का नुकसान होने की आशंका है। आप शारीरिक दृष्टि से कमजोर होंगी। आपको अचानक हानि भी उठानी पड़ सकती है। संतान का सुख कम ही मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है। आपकी मनोदशा दूषित रहेगी। आप खुद दुःख झेलेंगी परंतु दूसरे को तकलीफ नहीं देंगी। आपकी भाई से शत्रुता आपको हानि देगी। आपके भाई की माली हालात कमजोर होगी। आपको माता/सास का सुख कम मिलने की शंका है। पशुओं से संबंधित व्यापार से हानि होगी। आपको सरकारी विभाग द्वारा परेशानी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. भाई से झगड़ा न करें।
2. खुशी के समय मीठा न बांटें, यदि मीठा बांटना हो तो साथ में नमक जरूर बांटें।

उपाय :

1. 9 मन (360 किलो) गेहूं हर समय घर में रखें।
2. भैंसे को चारा खिलायें या मजदूर पेशा आदमी की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध बारहवें खाने में होगा। इसकी वजह से स्थिति अच्छी बन सकती है। वैसे आपको धन-संपत्ति मिलेगी परंतु आकस्मिक खर्च होता रहेगा। आप सोच-विचार कर कार्य करेंगी। आपकी बहन/ननद-लड़की अपने ससुराल में ही सुखी बसेंगी, मगर पिता अपने घर में दुखी रहेंगे। बुजुर्गों की संपत्ति का लाभ होगा। ज्योतिष या गुप्त विद्या में रुचि रह सकती है।

यदि आपने किसी से झूठा वायदा किया या जुबान बदलने की आदत हुई, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, हर समय लुट गये-लुट गये की बातें की तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी मानसिक स्थिति डांवाडोल रहेगी। सिर दर्द बना रहेगा। रात्रि में ठीक ढंग से नींद नहीं आएगी। आपके घर में बहन/ननद, लड़की, दुःखी रहेगी। आप धनी होते हुए भी दुःखी रहेंगी। सट्टे-लाटरी का काम, दलाली या तंबोला आदि के कामों से नीच प्रभाव मिलेगा। बुरे कामों में धन की बर्बादी हो सकती है। पिता/ससुर के धन पर बुरा असर पड़ सकता है। ससुराल में मंदा प्रभाव रहेगा।



कभी-कभी भ्रम या अज्ञानता के कारण नुकसान होने की आशंका है। आपके भाई के जीवन पर बुरा असर तथा धन का नाश हो, ऐसी शंका है। 25वें वर्ष में विवाह करना पिता/ससुर के लिए अशुभ होगा। आपके पति का भाग्य भी मंदा हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दिया हुआ वचन पूरा करें।
2. क्रोध से दूर रहें।

उपाय :

1. स्टेनलेस स्टील की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. मिट्टी का खाली घड़ा ढक्कन लगा कर जल प्रवाह करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दीर्घायु, धनवान रहेंगी। आपकी और आपके पिता/ससुर की लंबी आयु होगी। आप चरित्रवान, शील स्वभाव से अच्छी, विवेकी एवं पूरे परिवार की विपत्ति को अपने सिर पर लेने वाली होंगी। धन और आयु वृद्धि होती रहेगी। अधिक कठिनाई में ईश्वर आपकी मदद करेंगे। आप आध्यात्मिक एवं गुप्त विद्या की माहिर होंगी।

यदि आपने दूसरे के धन का उपभोग किया, भलाई करने वाले का बुरा किया, दीन-दुःखियों को सताया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपको अपने पिता/ससुर से हमेशा दूर रहना पड़ सकता है। आप पिता/ससुर से अलग रहे तो आपका समय खराब होगा। आप अफवाहों की शिकार बनेंगी। आप यदि साध्वी हो जाएं तो दुःखी रहेंगी। आपके परिवार में कई प्रकार की मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। कभी-कभी आपके हौसले मंदे पड़ जाएंगे। आपको मूत्र रोग आदि बीमारी या मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बार-बार जन्म लेना पड़ सकता है। मोक्ष मिलने की उम्मीद कम है। आपके कामों में अड़चनें आएंगी। आपके शरीर में सुस्ती रहेगी या हर समय मन बुझा-बुझा सा रहेगा। कोई दुर्घटना या बड़ी मुसीबत का योग बन सकता है। आप अपने जीवन में कुछ ऐसे कार्य कर बैठेंगी जिससे आपको बहुत पछतावा हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आवारा साधू का साथ न रखें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।



उपाय :

1. शरीर पर सोना पहनें।
2. दही, आलू, घी धर्म स्थान में दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थयात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान महिला की तरह हैं। आपको मन में शक्ति मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। पुरुष, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदी सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगी। आप नशे की बुरी लत के कारण बिमारियों से तंग रहेंगी। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपके पति के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 25वें वर्ष विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पति को चांदी के कड़े में तांबे की कील लगाकर दायें हाथ में पहनायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि तीसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप स्वस्थ, विद्वान, विवेकी और खर्चीले स्वभाव की होंगी। धन की कमी नहीं रहेगी। आपके पास बहुत धन आएगा। आप पराए लोगों की मदद करेंगी। आपको चोरी और धन नाश के लिए सतर्क रहना चाहिए। आप सबकी मदद करेंगी मगर वह व्यक्ति दूसरों का काम बिगाड़ेगा, और खुद आराम पाएगा। आपके जीवन में अड़चने भी पैदा हो सकती हैं। आप साहसी होंगी। भाई-बहन से सामान्य सुख के आसार हैं। आप दुःसाहस करने में भी बाज नहीं आएंगी। लोहा/मशीनरी से



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

संबंधित कामों से धन लाभ होगा।

यदि आपने चोरी-ठगी की, घर का मुख्य दरवाजा पूर्व या दक्षिण दिशा में हुआ, दूसरे लोगों के काम बिगाड़े तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से शराब पीना, मांस खाना अच्छा फल नहीं देगा। नगद धन का अभाव रह सकता है। नर संतान को कष्ट की आशंका है। आपकी आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। छोटे भाई से दूरी या उसका सुख न होगा। भाई-बंधु आपकी नेकी को भूल जाएंगे। चोरी-ठगी करने पर भी धन की कमी रहेगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। मकान बनाने में बहुत संघर्ष करना पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मछली का सेवन न करें। मछली का शिकार न करें।
2. कीकर-बेरी का वृक्ष घर में न लगावें।

उपाय :

1. तीन कुत्तों को भोजन का हिस्सा दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी बनावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में राहु पड़ा है। आपकी 21 वर्ष आयु में प्रथम पुत्र और 42 वर्ष आयु में दूसरा पुत्र पैदा होगा। आपको पुत्रों का सुख मिलेगा, उम्मीद है। औलाद मूर्ख और आप ब्रह्मज्ञानी होंगी। आपकी औलाद से अधिक सुखी जीवन आपके पोते-पड़पोते का होगा। आप चंचल और अस्थिर बुद्धि की होंगी। आपकी माता/सास का जीवन भर बड़ा सुखमय समय रहेगा। धन-संपत्ति और औलाद में वृद्धि होगी। आपको भाई का सुख मिलेगा। आप परिवार और माया की ओर से सुखिया होंगी। धर्म-मर्यादा की मालकिन होंगी। व्यापार आपके लिये सबसे उत्तम धन कमाने का साधन होगा, राज्याधिकारियों से लाभ होगा।

यदि आपने पति से अच्छे संबंध न रखे, उससे तलाक लिया, बुजुर्गी मकान की दहलीज खराब कर ली, पिता या ससुर से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बचपन में शरारती होकर पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगाएंगी। शिक्षा अधूरी रह जाएगी या मन के मुताबिक पढ़ाई नहीं कर सकेंगी। संतान हुई तो जन्म से 12 वर्ष पति का स्वास्थ्य खराब रहेगा। पहली संतान नहीं बचे ऐसी शंका बनती है। पति से तलाक या जुदाई हो, ऐसी शंका है। पति से तलाक या जुदाई की तो संतान का सुख न मिलेगा। आप पाप कर्म में रत हो सकती हैं। आपको पुत्र का सुख न मिले, ऐसी शंका है। आपकी सेहत बिगड़ सकती है तथा बेकार का धन खर्च होगा। आपकी आंखों की दृष्टि में भी कोई दोष उत्पन्न हो सकता है। आपके काम करने का ढंग भी स्थिर नहीं रहेगा। काम की चीजों को भी झंझर से उधर करती रहेंगी। अस्थायित्व और चंचलता की आप



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शिकार होंगी। आपका भाई अमीर या निःसंतान होगा, ऐसी आशंका है। समय साढ़े दस, 21-42वां वर्ष पिता या ससुर की आयु पर भारी रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूसरा विवाह न करें।

उपाय :

1. चांदी का ठोस हाथी घर पर रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।

नोट: यदि दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले मकान में रिहाईश हो तो भी उपरोक्त उपाय जरूर करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन-दौलत की मालकिन होंगी। इसके श्रेष्ठ फल से आप निहाल हो जाएंगी। आपको अपने भविष्य के लिए जागरूक रहना चाहिए। आपको राजपक्ष से शासन से संबंधित कार्यों में अच्छा फल मिलेगा। खानदानी जायदाद से अधिक जायदाद अपने हाथों से बना लेंगी। आपके जीवन में उत्तम राजयोग की संभावना है। आप सरकार पक्ष से या सम्मानित व्यक्ति से लाभ प्राप्त करेंगी। आप यदा-कदा हिम्मत हार बैठेंगी। आपकी औलाद शारीरिक तौर पर अच्छे स्वभाव की और अच्छे काम करने वाली होगी।

यदि आपको काम पर जाते समय कोई पीछे से कोई आवाज दे, माता/सास से झगड़ा या माता/सास का विरोध किया, पुत्र संतान का लालन-पालन अच्छी प्रकार न किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से संतान पक्ष को कुछ कष्ट की आशंका है। मां/सास के साथ आपके मधुर संबंध में न्यूनता की आशंका है या माता/सास को आपकी संतान से सुख नहीं मिलेगा। आपको हमेशा ही पेट में दर्द की बीमारी लगी रह सकती है। आपके पुत्रोत्पत्ति के पश्चात् माता/सास के सुख का अभाव हो जाएगा। माता/सास की आंखों का आप्रेशन हो सकता है। बल्कि कुछ सुस्त या सैक्स के प्रति अनिच्छा भी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय पीछे से कोई आवाज दे तो शुभ काम पर न जाएं।
2. व्यतीत समय को याद न करें।



उपाय :

1. काला कुत्ता न पालें ।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें ।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुंडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुंडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक चढ़ा करें।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौड़ियां लेकर उसी दिन एक जगह इकट्ठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतूतों का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या



तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।



आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध



(जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य, बेटी-बुआ आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाना।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लाल किताब वर्षफल 2019-2020

वर्तमान आयु - 32
वर्तमान दशा - मंगल

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	--	--	मन्दा
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2019 - 2020

रा	ल	मं चं
शु		
श गु		सू के बु

वर्ष चन्द्र कुंडली 2019 - 2020

	मं ल चं	
रा		के सू
शु श	गु	बु



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

लाल किताब वर्षफल 2019-2020

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको बिना मेहनत का माल/गिफ्ट आदि नहीं लेना चाहिए, यात्रा में हर समय सतर्क रहें क्योंकि यात्रा में चोट लगने या हानि होने का भय है। सरकारी विभाग से परेशानी हो सकती है नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है। आपके विरोधी आपको अपनी गुप्त चाल से नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर में पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगी। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकददमें में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम कर घर में रखें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खाएंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु, निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगी, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगी। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकददमें में जीत या सरकारी विभाग से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।



बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि रहेगी या इनका प्रभाव रहेगा। जो आपको लाभ न देगा। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक सम्बन्ध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएंगे या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगी या धर्मार्थ चीजें बनवायेंगी। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगें।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पति के अतिरिक्त दूसरे पुरुष से संबंध रह सकता है जो आपके लिये हानिकारक है और संतान के लिये चिंताजनक। चाल-चलन पर धब्बा लगेगा। चाल-चलन संभालना एक जरूर चीज है। माता/पति का झगड़ा होगा। कारोबार में हानि, मानसिक तनाव रहेगा। मामा को कष्ट हो सकता है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. अपने पति से दो बार विवाह (फेरे) करें। (पुत्र सुख के लिए)
2. केसर कुएं में डालें।



3. चार आडू की गिटकों में सुरमा भर कर वीराने में दबाये।
4. चार संगमरमर की गाय घर में रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे की पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष प्रगति मिले ऐसी संभावना है। तबदीली का चांस कम है। यात्रा से लाभ होगा। प्रदेश में भी कुछ समय व्यतीत हो सकता है। अपनी संतान के साथ या उसकी सलाह से कोई काम करेगी तो आपको अधिक लाभ होगा। आप जिसको पुत्र पैदा होने का आशीर्वाद देंगे उसके घर पुत्र पैदा होगा।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारे।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय



- 43 दिन धर्म स्थान जाये ।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लाल किताब वर्षफल 2020-2021

वर्तमान आयु - 33
वर्तमान दशा - मंगल

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2020 - 2021

मं चं	गु ल	बु
के सू		
शु	श	रा

वर्ष चन्द्र कुंडली 2020 - 2021

के सू	मं ल चं	गु
शु	श	
रा		बु



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

लाल किताब वर्षफल 2020-2021

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में है तो जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता/सास और सुख की हानि होगी, माता से दूर रहें तो विद्या से लाभ होगा। मन अशांत रह सकता है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोग आपके काम बिगाड़ सकते हैं सतर्क रहें। पिता/ससुराल वालों का कार्य बदलने का विचार रहेगा। माता/सास से झगड़ा रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. अन्धे व्यक्ति को भोजन खिलाएं।
2. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी, 3, 6, 8, 12वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रुचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकती हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको सैर करना या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगी तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।
2. हाथी दांत पास न रखें।



बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी। आलस्य से दूर रहेंगी। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगी। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक/ससुराल सम्पत्ति का लाभ मिलेगा। आपसे मित्रता करने वाले को लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, ससुर का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगी, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। गुरु-साधू की सेवा करेंगी, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपका मिजाज आशिकाना और आप परपुरुष पर कामुक हो सकती हैं। इस वर्ष यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का योग बनेगा। अतर्जातीय या माता-पिता/ससुर की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें वरना संतान सुख खराब हो सकता है। गर्भपात का भय रहेगा। बहन/ननद आदि के धन का आपके हाथों नुकसान हो सकता है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुप्तांग दूध या दही से साफ करें।
2. गायों को चारा खिलाये।



शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें। नुक्कड़ के मकान में रिहाई हो तो आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग होने का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा अर्थात् अस्थिर होगा। बिजली विभाग/जंगल विभाग/पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकत है। बेधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीढ़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता/सास की चिंता हो सकती है या मात को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखें तो पुत्र की चिंता दूर होगी, कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रुकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में दें।



2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में दें

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शरीर पर शुद्ध सोना धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>